vinetur

चुनाव नतीजों से शराब कंपनियों के शेयर चढ़े, आयात शुल्क में ढील की उम्मीद

शुल्कों में कटौती की घोषणा नहीं हुई है ; कमजोर अमेरिकी शराब बाज़ार में आयातकों पर ऊंची लागत का दबाव बना हुआ है

मंगलवार, 10 नवंबर 2026



3 नवंबर को हुए मध्यावधि चुनावों के बाद कांग्रेस का नियंत्रण बदलने से शराब उद्योग में यह उम्मीद बढ़ी है कि आयातित वाइन और स्पिरिट्स पर लगाए गए कुछ अमेरिकी शुल्कों में ढील दी जा सकती है। हालांकि, शुल्कों में कटौती को मंजूरी नहीं मिली है और न ही किसी नई नीति की घोषणा हुई है।

निवेशकों ने इस संभावना पर तेजी से प्रतिक्रिया दी। चुनाव के बाद कारोबार में Guinness और Smirnoff बनाने वाली ब्रिटिश पेय कंपनी Diageo तथा Jack Daniel's और Chambord बनाने वाली Brown-Forman के शेयर 5% से अधिक चढ़े, Fast Company के अनुसार। 4 नवंबर को Anheuser-Busch, Molson Coors Beverage Co., Boston Beer Co. और Constellation Brands के शेयरों में भी बढ़त दर्ज की गई। Constellation अमेरिका में मेक्सिको के बड़े बीयर ब्रांड आयात करती है, इसलिए व्यापार नीति में बदलाव का उस पर खास असर पड़ सकता है।

बाज़ार की यह प्रतिक्रिया दिखाती है कि शुल्कों और कमजोर मांग के चलते उद्योग किस दबाव में है। Fast Company की रिपोर्ट के मुताबिक, अक्टूबर में अमेरिका ने कनाडा से लगभग 1 अरब डॉलर के आयात पर रोक लगाने की योजना आगे बढ़ाई। इसमें डेयरी उत्पाद, मोटरसाइकिलें और मादक पेय शामिल थे। यह कदम अमेरिकी सामानों पर कनाडा के शुल्कों के जवाब में उठाया जाना था। इन श्रेणियों के कई उत्पादों पर पहले से लागू 50% शुल्क आयात घटा चुका था।

रिपोर्ट के अनुसार, कनाडा से होने वाले जिन लगभग 967 मिलियन डॉलर के आयात पर इस रोक का असर पड़ने की आशंका थी, उनमें अधिकांश मादक पेय थे। इससे यह व्यापार विवाद उन डिस्टिलरियों, बीयर निर्माताओं, आयातकों, थोक विक्रेताओं और खुदरा विक्रेताओं के लिए खास तौर पर अहम हो गया है, जो सीमा-पार आपूर्ति शृंखलाओं पर निर्भर हैं।

2025 में यह विवाद पहले ही बढ़ गया था, जब ट्रंप प्रशासन ने मेक्सिको और कनाडा से आने वाले लगभग सभी आयातों पर 25% शुल्क लगाने की घोषणा की और इसके बाद कनाडा की दुकानों ने अमेरिकी शराब को अपनी अलमारियों से हटा दिया। अमेरिकी व्यापार संगठन Distilled Spirits Council ने उस समय कहा था कि इन शुल्कों से अमेरिकी कंपनियों और कामगारों को “बहुत नुकसान” होगा। संगठन ने चेताया था कि कनाडा की जवाबी कार्रवाई से नुकसान और गहरा सकता है।

इन शुल्कों में किसी भी तरह की राहत का असर शेयर कीमतों से कहीं आगे तक जा सकता है। वाइन आयातकों और स्पिरिट्स वितरकों के लिए, शुल्कों में आंशिक कटौती भी आयात की कुल लागत, कीमत तय करने के फैसलों और अमेरिकी बाज़ार में सामान बेचने वाले विदेशी उत्पादकों के साथ बातचीत को बदल सकती है। इससे खास तौर पर अंतरराष्ट्रीय वाइन आपूर्तिकर्ताओं के व्यापार की परिस्थितियां बदल सकती हैं, हालांकि भविष्य में किसी बदलाव का दायरा अभी स्पष्ट नहीं है।

शुल्कों का मुद्दा ऐसे समय आया है जब उद्योग शराब की खपत में व्यापक गिरावट से भी जूझ रहा है। Gallup के सर्वेक्षण में पाया गया कि 2025 में अमेरिका के 54% वयस्कों ने कहा कि वे शराब पीते हैं। यह आंकड़ा 2022 के 67% से कम था और 1958 में Gallup द्वारा दर्ज किए गए पिछले सबसे निचले स्तर से 1 प्रतिशत अंक नीचे था।

पीने की आदतों में इस बदलाव ने पहले से बढ़ती लागत का सामना कर रही कंपनियों पर दबाव और बढ़ा दिया है। 2026 में बीयर, वाइन और शराब की कीमतों में तेज़ उछाल आया, जिससे उपभोक्ता पेय खरीदने के समय और जगह को लेकर अधिक सतर्क हो गए। शराब पीने वाले 1,000 अमेरिकियों के हालिया सर्वेक्षण में बाज़ार अनुसंधान मंच Zappi ने पाया कि 65% ने कहा कि पैसे बचाने के लिए वे बाहर जाने से पहले घर पर शराब पीते हैं।

कई कंपनियों के लिए व्यापार बाधाओं और कमजोर मांग के इस मेल ने बिक्री की मात्रा और मुनाफे, दोनों को नुकसान पहुंचाया है। आयातित उत्पाद वितरक तक पहुंचने से पहले ही महंगे हो सकते हैं, जबकि खुदरा कीमतें बढ़ने से उपभोक्ता सस्ते विकल्प चुन सकते हैं, कम खरीदारी कर सकते हैं या शराब लेना पूरी तरह छोड़ सकते हैं। आयातित वाइन और प्रीमियम स्पिरिट्स के लिए यह स्थिति खास तौर पर अहम है, क्योंकि उनकी कीमतें पहले से ही संवेदनशील हैं और ब्रांड की पहचान इस बात पर निर्भर करती है कि उपभोक्ता कितना खर्च करने को तैयार हैं।

उद्योग में हाल की उम्मीदें किसी औपचारिक व्यापार निर्णय के बजाय राजनीति से जुड़ी हैं। Fast Company ने बताया कि कांग्रेस में सत्ता के समीकरण बदलने से कुछ पेय कंपनियों और निवेशकों को शुल्कों पर जल्द कदम उठाए जाने की उम्मीद है। लेकिन लेख में किसी लागू बदलाव की जानकारी नहीं दी गई, और न ही कांग्रेस या प्रशासन ने वाइन, बीयर या स्पिरिट्स पर शुल्क घटाने की कोई विशिष्ट योजना सार्वजनिक की है।

जब तक ऐसा नहीं होता, उद्योग नीतिगत अनिश्चितता और उपभोक्ताओं के बदलते व्यवहार के बीच फंसा रहेगा। उत्पादक और आयातक वॉशिंगटन से ऐसे संकेतों पर नज़र रख रहे हैं कि कनाडा और अन्य व्यापारिक साझेदारों के साथ तनाव कम हो सकता है। साथ ही, वे ऐसे बाज़ार के अनुरूप खुद को ढालने की कोशिश कर रहे हैं जहां अमेरिकी कम

शराब पी रहे हैं और कीमतों पर अधिक ध्यान दे रहे हैं।